भारत सरकार
पर्यटन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न सं. †21
सोमवार, 3 फरवरी, 2025/14 माघ, 1946 (शक)
को दिया जाने वाला उत्तर

एसएएससीआई योजना

†21. श्रीमती स्मिता उदय वाघ:
श्री धर्मबीर सिंह:
श्रीमती अपराजिता सारंगी:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) पर्यटन मंत्रालय पूंजी निवेश के लिए राज्यों को विशेष सहायता (एसएएससीआई) योजना के तहत परियोजनाओं के चयन को किस प्रकार प्राथमिकता देता है और योजना के मानदंडों का ब्यौरा क्या है;

(ख) पर्यटन मंत्रालय द्वारा अल्पज्ञात पर्यटन-स्थलों हेतु लक्षित 40 अनुमोदित परियोजनाओं के सफल विकास को सुनिश्चित करने के लिए कार्यान्वित की जा रही विशिष्ट रणनीतियां क्या हैं;

(ग) क्या अल्पज्ञात पर्यटन-स्थलों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रचारित करने के लिए कोई पहल की गई है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) क्या इस योजना के तहत भिवानी-महेंद्रगढ़ लोक सभा क्षेत्र को शामिल करने का कोई प्रावधान है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री **(श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)**

(क) से (ग): भारत सरकार ने 'पूंजीगत निवेश के लिए राज्यों को विशेष सहायता (एसएएससीआई) - वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठित पर्यटक केंद्रों का विकास' नामक अपनी योजना के तहत वित्तीय वर्ष 2024-25 में देश के 23 राज्यों में 3295.76 करोड़ रु. की 40 परियोजनाओं को मंजूरी दी है, जिसका प्राथमिक उद्देश्य देश में प्रतिष्ठित पर्यटन केंद्रों को व्यापक रूप से विकसित करना तथा वैश्विक स्तर पर उनकी ब्रांडिंग और मार्केटिंग करना है। इस योजना के तहत स्वीकृत परियोजनाओं का ब्यौरा **अनुबंध** में दिया गया है।

पर्यटन मंत्रालय ने परियोजना प्रस्तावों को प्रस्तुत करने के लिए सभी राज्यों को प्रचालनात्मक दिशा-निर्देश जारी किए हैं। राज्य सरकारों से परियोजना प्रस्तावों की प्राप्ति पर, गंतव्य से संपर्कता, पर्यटन ईको सिस्टम, वहन क्षमता, सततता उपाय, सतत प्रचालन और

प्रबंधन, परियोजना प्रभाव और मूल्य सृजन, पर्यटन विपणन योजनाएं आदि जैसे निर्धारित मापदंडों के आधार पर उनका मूल्यांकन किया गया था । जबकि, एसएएससीआई योजना के तहत स्वीकृत परियोजनाओं का कार्यान्वयन राज्य कार्यान्वयन एजेंसियों द्वारा किया जा रहा है, स्वीकृत परियोजनाओं का निर्बाध कार्यान्वयन सुनिश्चित करने के लिए पर्यटन मंत्रालय ने भी स्वीकृत परियोजनाओं की प्रगति की समय-समय पर समीक्षा करने के लिए एक कार्यविधि तैयार की है।

पर्यटन मंत्रालय अपनी विभिन्न संवर्धनात्मक पहलों जैसे वेबसाइट, सोशल मीडिया संवर्धन, कार्यक्रमों में भागीदारी, मेलों और महोत्सवों के आयोजन के लिए राज्य सरकारों को सहायता आदि के माध्यम से घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में अल्पज्ञात गंतव्यों सहित देश के विभिन्न पर्यटक गंतव्यों और उत्पादों का संवर्धन करता है।

(घ): पर्यटन मंत्रालय को एसएएससीआई योजना के तहत हरियाणा राज्य से विचारार्थ प्रस्ताव प्रस्तुत करने के लिए निर्धारित समय-सीमा में कोई प्रस्ताव प्राप्त नहीं हुआ है। अब तक, भिवानी-महेंद्रगढ़ लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र को इस योजना के तहत शामिल करने का कोई प्रावधान नहीं है।

*****

अनुबंध

श्रीमती स्मिता उदय वाघ, श्री धर्मबीर सिंह एवं श्रीमती अपराजिता सारंगी द्वारा एसएएससीआई योजना के संबंध में दिनांक 03.02.2025 को पूछे जाने वाले लोक सभा के लिखित प्रश्न सं. †21 के भाग (क) से (ग) के उत्तर में **विवरण**

'पूंजीगत निवेश के लिए राज्यों को विशेष सहायता (एसएएससीआई) - वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठित पर्यटक केंद्रों का विकास' के तहत स्वीकृत परियोजनाओं की सूची:-

(करोड़ रु. में)

क्र. सं.	**राज्य**	**परियोजना का नाम**	**लागत**
1.	आंध्र प्रदेश	1. गंडिकोटा - किले एवं गोर्ज के अनुभव को बढ़ाना	77.91
		2. अखंड गोदावरी: (हैवलॉक ब्रिज और पुष्कर घाट), राजमहेंद्रवरम	94.44
2.	अरुणाचल प्रदेश	3. सियांग एडवेंचर और इको-रिट्रीट, पासीघाट	46.48
3.	असम	4. असम राज्य चिड़ियाघर सह वनस्पति उद्यान, गुवाहाटी	97.12
		5. शिवसागर में रंग घर का सौंदर्यीकरण	94.76
4.	बिहार	6. मत्स्यगंधा झील, सहरसा का विकास	97.61
		7. करमचट इको-पर्यटन और एडवेंचर हब	49.51
5.	छत्तीसगढ़	8. चित्रोत्पला फिल्म सिटी का विकास	95.79
		9. जनजातीय एवं सांस्कृतिक सम्मेलन केंद्र का विकास	51.87
6.	गोवा	10. छत्रपति शिवाजी महाराज संग्रहालय, पोंडा	97.46
		11. प्रस्तावित टाउन स्क्वायर, पोवोरिम	90.74
7.	गुजरात	12. केरली (मोकरसागर), पोरबंदर में इको पर्यटन गंतव्य	99.50
		13. टेंटेड सिटी और सम्मेलन केंद्र, धोर्डो	51.56
8.	झारखंड	14. तिलैया, कोडरमा का इको-पर्यटन विकास	34.87
9.	कर्नाटक	15. रोरिक और देविका रानी एस्टेट टाटागुनि, बेंगलुरु में इको पर्यटन और सांस्कृतिक केंद्र	99.17
		16. सवादत्ती यल्लम्मागुड्डा, बेलगावी का विकास	100.00
10.	केरल	17. अष्टमुडी जैव विविधता और पर्यावरण-मनोरंजक केंद्र, कोल्लम	59.71
		18. सरगालया: मालाबार के सांस्कृतिक क्रूसिबल के लिए ग्लोबल गेटवे	95.34
11.	मध्य प्रदेश	19. ओरछा एक मध्यकालीन कांति	99.92

		20. भोपाल में एमआईसीई के लिए अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन कक्ष	99.38
12.	महाराष्ट्र	21. पूर्व आईएनएस गुलदार अंतर्जलीय संग्रहालय, कृत्रिम चट्टान और पनडुब्बी पर्यटन, सिंधुदुर्ग	46.91
		22. नासिक में "राम-काल पथ" का विकास	99.14
13.	मणिपुर	23. लोकटक लेक एक्सपीरियंस	89.48
14.	मेघालय	24. मावखानू, शिलांग में एमआईसीई अवसंरचना	99.27
		25. उमियम झील, शिलांग का पुनर्विकास	99.27
15.	ओडिशा	26. हीराकुड का विकास	99.90
		27. सतकोसिया का विकास	99.99
16.	पंजाब	28. हेरिटेज स्ट्रीट, एसबीएस नगर का विकास	53.45
17.	राजस्थान	29.जयपुर के आमेर-नाहरगढ़ एवं आसपास के क्षेत्र का विकास	49.31
		30. जल महल, जयपुर का विकास	96.61
18.	सिक्किम	31. स्काईवॉक, भालेढुंगा, यांगांग, नामची	97.37
		32. बॉर्डर एक्सपीरियंस, नाथुला	68.19
19.	तमिलनाडु	33. मामल्लापुरम में नंदवनम हेरिटेज पार्क	99.67
		34. देवला, ऊटी में फूलों का बगीचा	70.23
20.	तेलंगाना	35. रामप्पा क्षेत्र स्थायी पर्यटन परिपथ	73.74
		36. सोमसिल्ला निरोगता और आध्यात्मिक रिट्रीट, नल्लामाला	68.10
21.	त्रिपुरा	37. बंडुआर, गोमती में 51 शक्ति पीठ पार्क	97.70
22.	उत्तर प्रदेश	38. बटेश्वर, जिला- आगरा का विकास	74.05
		39. एकीकृत बौद्ध पर्यटन विकास, श्रावस्ती	80.24
23.	उत्तराखण्ड	40. प्रतिष्ठित शहर ऋषिकेश: राफ्टिंग बेस स्टेशन	100.00
		कुल	**3,295.76**

*****